an>

Title: Regarding over-crowding of railway stations in the country.

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले ढाई वर्षों में रेलवे में बहुत से ढांचागत बदलाव हुए हैं। इस सुधार के लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री जी और रेल मंत्री जी को बहुत बधाई देता हूं। इन सब ढांचागत बदलावों के कारण कई परिदृश्य बदले हैं, लेकिन एक परिदृश्य नहीं बदला है और वह है भीड़ का। रेलवे स्टेशन्स पर आज भी वैसी ही भीड़ है। अगर इसका ठीक से अध्ययन करें तो पता चलेगा कि जिन यात्रियों को रेल यात्रा करनी होती है, उनके साथ उनको छोड़ने आने वाले रिश्तेदार भी होते हैं, जिनकी वजह से स्टेशन्स पर अनावश्यक भीड़ हो जाती है। इस भीड़ की वजह से रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वे लोग स्टेशंस के वेटिंग रूम्स और शौचालयों इत्यादि का इस्तेमाल करते हैं। इससे स्टेशन्स पर कूड़ा-कचरा बहुत होता है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि जिस तरह से एयरपोर्ट्स और मेट्रो स्टेशन्स पर एक व्यवस्था है कि जिसका टिकट होता है, वही एयरपोर्ट या मेट्रो स्टेशन में प्रवेश कर सकता है। उसी तरह से रेलवे स्टेशन्स पर भी किया जाएगा तो इससे भीड़ में कमी आएगी। इससे सफाई भी रहेगी, स्वच्छ भारत की संकल्पना साकार होगी एवं यात्रियों को भी कम परेशानी होगी। यही मांग मैं रखना चाहता हूं। धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER: Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Sharad Tripathi, Dr. Kirit P. Solanki, Shri Ram Mohan Naidu Kinjarapu, Shri Rahul Shewale, Dr. Shrikant Eknath Shinde, Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Ajay Misra Teni and Shri Rodmal Nagar are permitted to associate with the issue raised by Shri Maheish Girri.